



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

23 वैशाख 1944 (श0)  
(सं0 पटना 291) पटना, शुक्रवार, 13 मई 2022

सं० सा०प्र०-11/2021 बि०रा०अ० 65  
मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग  
(बिहार राज्य अभिलेखागार निदेशालय)

संकल्प

09 मई 2022

जिलाधिकारी, मुंगेर के (पत्रांक-931/स्था., दिनांक 06.09.2021) द्वारा जिला अभिलेखागार, मुंगेर में चल रहे अनैतिक कार्यों/विचौलियों के माध्यम से अभिलेख की सत्यापित प्रति निर्गत करने एवं अवैध राशि की वसूली के संबंध में संसूचित करते हुए श्री जयशंकर प्रसाद, पुराभिलेखपाल के विरुद्ध आरोप-पत्र गठित कर निदेशालय को भेजा गया।

2. उक्त के आलोक में बिहार राज्य अभिलेखागार निदेशालय, पटना के पत्रांक-268, दिनांक 09.11.2021 के द्वारा श्री प्रसाद से स्पष्टीकरण पूछा गया। उनके स्पष्टीकरण को असंतोषजनक पाया गया तथा उन्हें प्रथम दृष्टया बिहार सरकारी सेवक, आंचार नियमावली, 1976 के नियम 03 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। तत्पश्चात श्री प्रसाद के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित करने का निर्णय लिया गया। इनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही के संचालन हेतु श्री अहमद महमूद, निदेशक, उर्दू निदेशालय, बिहार, पटना को संचालन पदाधिकारी एवं श्री उदय कुमार ठाकुर, सहायक अभिलेख निदेशक (मुख्यालय) बिहार राज्य अभिलेखागार निदेशालय, पटना को प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी नामित किया गया है।

3. श्री जय शंकर प्रसाद, पुराभिलेखपाल के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही के संचालन के क्रम में संचालन पदाधिकारी के द्वारा निम्न निष्कर्ष अभिलिखित किये गये:-

सुनवाई के क्रम में आरोपी से माहवार एवं तिथिवार प्राप्त आवेदन पत्रों, उनके निष्पादन की तिथि एवं लंबित रहने वाले आवेदनों के लंबित रहने के कारण की मांग की गयी। उनसे इस आशय की भी स्पष्ट मांग की गयी कि क्या जो आवेदन पहले प्राप्त हुए हैं उन्हें पहले निष्पादित किया गया है, अर्थात् क्रमानुसार आवेदन पत्रों का निष्पादन करने से संबंधित साक्ष्य की मांग की गयी।

आरोपी द्वारा आवेदन प्राप्ति की पंजी एवं निष्पादन से संबंधित पंजी सुनवाई के क्रम में उपस्थापित की गयी, जिसके अवलोकन से यह प्रतीत होता है कि कुछ आवेदन-पत्रों का क्रमानुसार निष्पादन "पहले आओ, पहले पाओ (First Come First Serve)" के आधार पर नहीं किया गया है।

(i) निरीक्षण के क्रम में बाहरी व्यक्ति अभिलेखागार के अन्दर पाये गये और उन व्यक्तियों पर जिला प्रशासन द्वारा FIR भी किया गया जिससे स्पष्ट होता है कि श्री जयशंकर प्रसाद का कार्यालय पर पूर्ण नियंत्रण नहीं था और वे बाहरी व्यक्तियों का कार्यालय में प्रवेश को रोकने में असमर्थ रहें।

(ii) अभिलेखों की सत्यापित प्रति क्रमानुसार (Chronologically) निष्पादित नहीं करने का आरोप प्रमाणित पाया गया है।

“विभागीय कार्रवाई के पश्चात संचालन पदाधिकारी द्वारा यह निष्कर्ष अंकित किया गया है कि श्री जयशंकर प्रसाद, पुराभिलेखपाल, समाहरणालय, मुंगेर पर लगाये गये आरोप आंशिक रूप से प्रमाणित होते हैं।”

विभागीय जाँच पदाधिकारी से जाँच प्रतिवेदन प्राप्त होने के उपरांत आरोपी कर्मी श्री प्रसाद से बिहार सरकार (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) की नियमावली, 2005 के नियम-18 (3) के तहत लिखित अभिकथन मांग की गई है। जिला अभिलेखागार, मुंगेर में पदस्थापित पुराभिलेखपाल, श्री जयशंकर प्रसाद द्वारा निदेशालय के पत्रांक-421, दिनांक 17.02.2022 के आलोक में लिखित अभिकथन समर्पित किया गया है। जिसमें पूर्व में दिया गया लिखित अभिकथन में पुराने ही तथ्य को दिया गया है।

उन्होंने अपने उपर लगाये गये सभी आरोपों का खंडन किया तथा दोष मुक्त करने का अनुरोध किया है।

लेकिन संचालन पदाधिकारी द्वारा संचालित विभागीय कार्यवाही से प्रमाणित होता है कि श्री जयशंकर प्रसाद, पुराभिलेखपाल, जिला अभिलेखागार, मुंगेर का अपने कार्यालय पर पूर्ण नियंत्रण नहीं था जिसके कारण बाहरी व्यक्तियों का कार्यालय में प्रवेश बना हुआ था तथा अभिलेखों की सत्यापित प्रति के अवलोकन के उपरांत उसके क्रमानुसार निष्पादित नहीं किये जाने का आरोप भी सही पाया गया है।

4. संचालन पदाधिकारी के उक्त निष्कर्ष के आलोक में श्री प्रसाद अनुशासनहीनता एवं लापरवाही के दोषी पाये गये हैं। इनका यह कृत्य बिहार आचार नियमावली, 1976 के नियम-3 तथा बिहार अभिलेख हस्तक-1960 की कड़िका-222 के प्रावधानों के प्रतिकूल है।

अनुशासनिक प्राधिकार के निर्णयानुसार वर्णित तथ्यों के आलोक में श्री जयशंकर प्रसाद, जिला अभिलेखागार, मुंगेर को लिखित अभिकथन से असहमत होते हुए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-14 की लघु शास्तियों के आलोक में निम्नलिखित दण्ड अधिरोपित एवं संसूचित किया जाता है :-

(I) निन्दन (वर्ष 2021-22-23)।

(II) असंचायात्मक प्रभाव से एक वेतन वृद्धि पर रोक।

आदेश:-आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाये तथा सभी संबंधित को भेज दी जाय।

आदेश से,  
सुमन कुमार,  
निदेशक।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 291-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>